क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रेस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेक्स, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन, सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक

क्रांति समय

RNI.No.: GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्स्योरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेक्स, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन, सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्षः 1 अंकः 160, बुधवार, 04 जुलाई, 2018, पेजः 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिसः- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

चचेरी बहन को छेड़ता था बेटा, पिता ने गोली मारकर की हत्या

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के भरतपुर जिले में एक पिता ने अपने बेटे की कथित तौर पर गोली मार कर हत्या कर दी। यह घटना जिले के वैर थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने बताया कि हत्या के आरोप में पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने गांव के सरपंच मनोज जाटव द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर आरोपी पिता इंद्रजीत जाटव (40) और उसके बडे बेटे बलजीत जाटव को गत शुक्रवार को हिरासत में लिया गया था। उन्होंने बताया कि शिकायत के मुताबिक इंद्रजीत और उसके बलजीत ने राजवीर जाटव (17) की कथित रूप से नरबलि दे कर हत्या कर दी थी। हालांकि, पुलिस ने नरबलि की घटना से इंकार किया है। पुलिस सर्किल अधिकारी (भुसावर) महेन्द्र कुमार शर्मा ने आज बताया कि राजवीर पिछले कुछ समय से अपनी चचरे बहन से छेड़छाड़ कर रहा था। हाल ही में उसने उसके साथ दुष्कर्म का भी प्रयास किया था। इस बात से नाराज होकर इंद्रजीत ने गोली मार कर उसकी हत्या कर दी।

बारिश से निर्माणाधीन मकान का गिरा हिस्सा, एक की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार की शाम दिल्ली में आई तेज हवा के साथ बारिश के दौरान बाहरी दिल्ली के नरेला इलाके में एक निर्माणाधीन मकान की पांचवीं मंजिल का एक हिस्सा नीचे सड़क पर आ गिरा। ठीक उसी समय उस सड़क से गुजर रहे बाइक सवार एक शख्स व उसके साथ बैठा एक अन्य लड़का उसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद दोनों को किसी तरह से मौके से उठाकर पास के राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने बाइक चला रहे शख्स को मृत घोषित कर दिया, जबकि जख्मी लड़के का इलाज किया जा रहा है। मृतक की पहचान राकिब (40) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि मृतक राकिब के अन्य परिजनों के अलावा तीन बच्चे भी हैं। इस घटना के बाद पूरा परिवार गमगीन है। बहरहाल पुलिस ने इस संदर्भ में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। वहीं स्थानीय लोगों ने निर्माणाधीन मकान के निर्माण कार्य को गैरकानूनी बताते हुए स्थानीय नगर निगम पर मिलीभगत का आरोप लगाया है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है।

लक्ष्मीनगर मार्केट में चला बुलडोजर

पूर्वी दिल्ल ी(एजेंसी)। लक्ष्मीनगर इलाके में निगम अधिकारियों ने सोमवार को भी अतिक्रमण के खिलाफ तोड़फोड़ की कार्रवाई की। इस दौरान मार्केट के कई दुकानदार खुद ही अपना अतिक्रमण हटाने में जुटे रहे। कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल भी मौके पर मौजूद था। निगम अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ सोमवार को भी लक्ष्मीनगर मेन मार्केट में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंचे। इस दौरान निगम अधिकारियों ने बुलडोजर की सहायता से अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करनी शुरू की। कार्रवाई के दौरान करीब 10 भवनों व उनमें बनी दुकानों पर हुए अतिक्रमण को ढहाया। इस दौरान नजारा यह भी देखने को मिला कि कई दुकानदार खुद ही अपना अतिक्रमण हटाने में जुटे रहे। निगम अधिकारियों का कहना है कि शुक्रवार व शनिवार को निगम द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान सवा सौ दुकानों व मकानों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की थी। इस दौरान निगम अधिकारियों को स्थानीय दुकानदारों ने आग्रह किया था कि वे खुद अतिक्रमण तोड़ लेंगे, आप वहां तक की जगह चिह्नित कर दें। इसके अलावा मार्केट में पड़े मलबे को भी हटाने का काम शुरू कर दिया है।

युवक पर चाकू से जान लेवा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंबेडकरनगर थाना क्षेत्र की दक्षिणपुरी में शनिवार रात युवक को दो युवकों ने चाकू से हमला कर घायल कर दिया। घायलावस्था में कमल किशोर को एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। पुलिस पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक शनिवार देर रात पीड़ित कमल किशोर डाकघर के पास खड़ा था। इसी दौरान हिमांशु आया और कमल से कहा कि वह उसकी सिगरेट जला दे, लेकिन उसने इसका विरोध किया। इसी दौरान हिमांशु ने फोन कर अपने दोस्त सिद्धार्थ को भी मौके पर बुला लिया और पीड़ित के साथ मारपीट करने लगे।

एमपी :15 साल की किशोरी से उसके भाई के 3 दोस्तों ने किया बलात्कार

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में जबलपुर में 15 साल की किशोरी से कथिततौर पर उसके बड़े भाई के तीन दोस्तों ने बलात्कार किया। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने जिले के बड़ा पत्थर इलाके में किशोरी के घर में ही घटना को अंजाम दिया। घटना 28 जून की है। सिटी एसपी अखिल वर्मा ने बाताया कि आरोप है कि 28 जून को दोपहर के समय तीनों पीड़ित के घर गए तो पाया कि किशोरी घर में अकेली है। चूंकि आरोपी युवक लड़की के बड़े भाई के दोस्त थे तो उसने उन पर कुद शक नहीं किया और उन्हें अपने घर के अंदर आने दिया। तीनों जब अंदर आ गए तो घर दरवाजा भीतर से बंद कर लिया और फिर किशोरी का रेप किया। घटना को लेकर कुछ दिन तो लड़की चुप रही लेकिन सोमवार को उसने अपने घरवालों को हकीकत बता दी। इसके बाद घरवालों पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने बताया कि अरोपियों से एक 18 साल का है। वयस्क आरोपी को शिकायत मिलने की शाम को ही गिरफ्तार कर लिया गया जबकि अन्य को भी हिरासत में लिया गया। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

हजारों पेड़ कटाई के विरोध स्वरूप प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के साथ साथ उपराज्यपाल व पर्यावरण मंत्री इमरान हुसैन को भी पौधा भेंट किया जाएगा।

मुख्यमंत्री को पौधा भेंट करेंगी शर्मिष्ठा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली महिला कांग्रेस ने प्रधान मंत्री, मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल व दिल्ली के पर्यावरण मंत्री सहित एक हजार लोगों को पौधा भेंट करने की योजना बनाई है । इस कार्यक्रम को राजधानी में हजारों पेड़ काटे जाने के विरोध में मनाया जा रहा है। प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष शर्मिष्ठा मुखर्जी ने सोमवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राजधानी में हजारों पेड़ काटे जाने की अनुमति देने की फाइल में पर्यावरण मंत्री इमरान हुसैन के हस्ताक्षर हैं। यह बात जगजाहिर हो चुकी है। यही कारण है कि हजारों पेड़ कटाई के विरोध स्वरूप प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के साथ साथ उपराज्यपाल व पर्यावरण मंत्री इमरान हुसैन को भी पौधा भेंट किया जाएगा। साथ ही केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी व दिल्ली सरकार के वन विभाग ने शीर्ष अधिकारियों को भी पौधा भेंट कर विरोध जताया जाएगा। इस पूरे प्रकरण में आप सरकार के साथ भाजपा भी जिम्मेवार है।

17115 पेड़ काटने की अनुमति दी दिल्ली सरकार ने

नई दिल्ली (एजेंसी)। बागी आप विधायक कपिल मिश्रा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को घेरते हुए कहा कि दिल्ली सरकार ने अबतक 17115 पेड़ों को काटने की इजाजत दी है। मिश्रा ने दिल्ली सरकार द्वारा हजारों पेड़ काटे जाने की सूचना आरटीआई के माध्यम से जुटाई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा पिछले तीन साल में पेड़ काटने के किसी भी आवेदन को अस्वीकार नहीं किया गया है। कपिल ने पेड़ कटाई पर केजरीवाल सरकार को सीधे जिम्मेवार ठहराया है। असल में दिल्ली सरकार ने नरोजी नगर व सरोजिनी नगर में 16 हजार पेड़ों के काटे जाने पर एनबीसीसी व केन्द्र सरकार को जिम्मेवार ठहराना शुरू किया था, लेकिन कपिल मिश्रा द्वारा आरटीआई का जवाब हासिल करने के बाद 17115 पेड़ों को काटने की अनुमति दिल्ली सरकार द्वारा दिए जाने की सूचना मिली है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार हाल में ही वन विभाग ने दो आवेदन पर अनुमति देकर करीब 4500 वृक्ष काटने की अनुमति दे दी है। यानि जिन मामले पर एनबीसीसी व अन्य एजेंसी को दोषी ठहराया जा रहा है उसमें सीधी जिम्मेवारी दिल्ली सरकार की है। 16 हजार पेड़ में करीब 11 हजार वृक्ष काटने का आवेदन अभी वन विभाग को नहीं मिला है। यानि 16 हजार में से 4500 पेड़ काटने के आदेश दिल्ली सरकार से जारी हो चुके हैं।

चैकिंग के दौरान BJP नेता ने लेडी पुलिस ऑफिसर की वर्दी फाड़ी, मारे लात-घूंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक स्थानीय नेता ने वाहन चैकिंग कर रही महिला पुलिस अधिकारी के साथ अभद्रता करते हुए उनकी वर्दी फाड़ दी। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है जबकि एक फरार है। पुलिस के अनुसार, यह घटना लिधौरा थाने की महिला उपनिरीक्षक (थाना प्रभारी) द्वारा सोमवार देर शाम वाहनों की चैकिंग के दौरान हुई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र जैन ने मंगलवार को संवाददाताओं को बताया कि महिला उपनिरीक्षक वाहनों की चैकिंग कर रही थी। इस दौरान मोटर साइकिल सवार ने एक मासूम बच्ची को टक्कर मार दी और भागने लगा लेकिन महिला अधिकारी ने उसे रोककर हिदायत दी लेकिन शख्स अभद्रता पर उतर आया। जैन के अनुसार, आरोपी ने महिला पुलिस अधिकारी को लात, घूसों से मारा और उनकी वर्दी फाड़ दी। आरोपियों में से एक भाजपा नेता मुबेंद्र सिंह बताया जा रहा है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि उसका साथी पंकज फरार है।

>> पांच मिनट के ध्यान के साथ शुरू होगी क्लास

अब सरकारी स्कूलों में शुरू हुई खुशी की पढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने अपने स्कूली छात्रों के लिए सोमवार को खुशी (हैप्पीनेस) पाठ्यक्रम पेश किया। इसके तहत नर्सरी से लेकर आठवीं कक्षा तक की हर क्लास पांच मिनट के ध्यान के साथ शुरू होगी।

इस अवसर पर तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने कहा कि भारत आधुनिक और प्राचीन ज्ञान को एकजुट कर दुनिया का नेतृत्व कर सकता है तथा यह मानवता की नकारात्मक भावनाओं से उबरने में मदद कर सकता है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नर्सरी से आठवीं कक्षा तक के छात्रों के लिए यह पाठ्यक्रम पेश करते हुए कहा कि पाठ्यक्रम में दिल्ली सरकार के सभी स्कूलों में नर्सरी से लेकर आठवीं कक्षा तक में 45 मिनट का एक हैप्पीनेस पीरियड होगा।

हर क्लास पांच मिनट के ध्यान के साथ शुरू होगी। दलाई लामा ने खुशी पाठ्यक्रम अपने स्कूलों में शामिल करने के कदम को लेकर दिल्ली सरकार

सोमवार को खुशी (हैप्पीनेस) पाठ्यक्रम पेश करते आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा के साथ मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री।

स्कूलों में 45 मिनट का हैपीनेस पीरियड चलेगा

का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि सिर्फ भारत आधुनिक शिक्षा को प्राचीन ज्ञान के साथ जोड़ सकता है। यह मानव भावनाओं को पूरा करने के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह शारीरिक और मानसिक कल्याण के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा। गुस्सा , नफरत और ईर्ष्या जैसी नकारात्मक और विध्वंसकारी भावनाओं के चलते पैदा होने वाले संकट का हल करेगा।

दलाई लामा ने देश में प्राचीन भारतीय ज्ञान की पुन : प्राप्ति करने और बौद्ध धर्म का अनुसरण करने वाले देशों सहित दुनिया भर में इसे फैलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्राचीन ज्ञान को पुन : प्राप्त कर भारत आधुनिक समय का गुरु बन सकता है। श्री केजरीवाल ने इस अवसर पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा क्षेत्र में उनकी सरकार द्वारा शुरु किए गए तीसरे चरण के सुधार के तहत खुशी पाठ्यक्रम शुरु किया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा हमारी शीर्ष प्राथमिकता है। केन्द्र और अन्य राज्य सरकारों को एक साल का समय दिया जाना चाहिए और शिक्षा के क्षेत्र में युद्धस्तर पर काम किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा शिक्षा पणाली में आमूलचूल बदलाव करने की जरूरत है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि इस कवायद में 10 लाख छात्र और करीब 50,000 शिक्षक शामिल होने की कल्पना की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि आतंकवाद , भ्रष्टाचार और प्रदूषण जैसी आज के समय की समस्याओं को स्कूलों और मानव केंद्रित शिक्षा से हल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस पाठ्यक्रम को दिल्ली सरकार के 40 शिक्षकों , शिक्षाविदों और स्वयंसेवियों की एक टीम ने छह महीने में तैयार किया है।

»» बच्चे नहीं पहनेंगे कुर्ता पायजामा

मदरसों में लागू होगा ड्रेस कोड ,

नई दिल्ली (एजेंसी)। मदरसों में एनसीईआरटी पैटर्न लागू करने के बाद सरकार जल्द ही ड्रेस कोड भी लागू कर सकती है। उत्तर प्रदेश सरकार में अल्पसंख्यक मामलों के राज्यमंत्री मोहसिन रजा ने इस बात की घोषणा की है कि यूपी के मदरसों में जल्दी ही ड्रेस कोड लागू किया जाएगा। इसमें पेंट-शर्ट पहन कर छात्र मदरसों में पढ़ने के लिए जाएंगे। हालांकि मदरसों के बच्चों को पेंट-शर्ट सरकार की ओर से दिए जाएंगे या फिर छात्रों को स्वयं खरीदना पड़ेगा। इसकी जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि कई मदरसों में अभी तक के बच्चे कुर्ते पयजामे में ही आते हैं लेकिन अब जल्द उनके लिए ड्रेस कोड लागू होगा।

मंगलवार को सरोजनीनगर स्थित अली मियां नदवी मेमोरियल हज हाउस में हज यात्रियों के टीकाकरण व प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य हज मंत्री मोहसिन रजा ने कहा कि मदरसों में आमतौर पर बच्चे कुर्ता पैजामा पहन कर आते हैं। जिससे उनकी पहचान एक धर्म विशेष से होती है। इसके बारे में हमें नहीं पता लेकिन मदरसे के छात्रों के बीच इसे खत्म करना जरूरी है।

जल्द ही सरकार इस पर निर्णय लेगी। इससे पहले यूपी सरकार मदरसों में होने वाली पढ़ाई के सिलेबस में बदलाव कर चुकी है। बाकी स्कूलों की तरह मदरसों में भी एनसीईआरटी की किताबें लागू कर दी गई हैं। सिलेबस में मैथ्स, हिंदी और इंग्लिश को भी लागू किया जा चुका है।

पूर्वी दिल्ली के निवासियों को बड़ी राहत नहीं चुकाना पड़ेगा नईदर से संपज़िकर

नगर निगम ने जारी की अधिसूचना

पूर्वी दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी निगम ने संपत्ति करदाताओं को बड़ी राहत प्रदान करते हुए अब अधिकतर लोगों को पुरानी दर पर ही संपत्तिकर चुकाने की सुविधा दी है। इतना ही नहीं पिछले वर्ष पुरानी दर पर शुल्क अदा करने वालों से भी नई दर पर शुल्क नहीं वसूला जाएगा। इसके लिए निगम ने वर्तमान व पिछले वित्तीय वर्ष के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। गौरतलब है कि पूर्वी निगम में पहले प्रथम मूल्यांकन समिति (एमवीसी-1) की सिफारिशों के आधार पर संपत्तिकर वसूला जा रहा था, लेकिन 2016-17 से एमवीसी-3 लागू हो गई।

इसके चलते विभिन्न कॉलोनियों, औद्योगिक क्षेत्रों के साथ-साथ दुकानों के आकारनुसार उनकी श्रेणी में बदलाव हो गया, जिसके चलते संपत्ति मालिकों पर दो से 16 गुना तक का भार पड़ गया। इसी दौरान सदन ने पूर्वी दिल्ली के लोगों को बढ़ी हुई दर में छूट देकर राहत दे दी गई थी। यह छूट एक वर्ष के लिए ही दी जा सकती, इस वजह से 2017-18 में भी सदन ने छूट का प्रस्ताव पारित किया, लेकिन आयुक्त ने इस संबंध में अधिसूचना जारी करने के बजाए इसकी फाइल उपराज्यपाल के पास भेज दिया, लेकिन इस पर कोई निर्णय नहीं हो पाया।

इसकी वजह से फरवरी-मार्च में सदन के हस्तक्षेप के बाद लोगों से पुरानी दर पर ही संपत्तिकर लिया गया। मार्च के बाद लोगों के पास नोटिस आने लगे कि वह एमवीसी-3 के मुताबिक बाकी रकम जमा करवा दें। महापौर ने कहा कि लोगों के सिर पर संपत्तिकर को लेकर जो तलवार लटकी हुई थी, इस अधिसूचना से उन्हें राहत मिलेगी। निगम के डाटा में बदलाव किया जा रहा है, जिससे लोग दो-तीन दिन बाद ऑनलाइन शुल्क जमा करा सकते हैं। अधिसूचना के मुताबिक सभी रिहायशी, व्यावसायिक और औद्योगिक क्षेत्रों की श्रेणियां पूर्ववत रहेंगी, उनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। औद्योगिक क्षेत्रों में थोड़ा-सा कर बढ़ा है।संपत्तिकर में छूट 31 तक बढ़ी : संपत्तिकर जमा करवाने वालों को मिलने वाली 15 फीसद की छूट अवधि 31 जुलाई तक बढ़ा दी गई है।

»» डिस्टेंट एजुकेशन बोर्ड से दूरस्थ पाठ्यक्रम चलाने को नहीं मिली स्वीकृति

एसओएल की दाखिला प्रक्रिया को लगा ग्रहण

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2018-19 के तहत चल रही दाखिला प्रक्रिया के बीच स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) में दाखिला प्रक्रिया को इस बार बड़ा झटका लगा है।

एसओएल की दाखिला प्रक्रिया शुरू होने में इस बार एक महीने की देरी हो गई है। जबकि नियमित कॉलेजों में तीसरी कटऑफ लिस्ट के तहत दाखिले चल रहे हैं। दरअसल एसओएल ने डिस्टेंट एजुकेशन बोर्ड में दूरस्थ पाठयक्रमों को चलाने के लिए स्वीकृति मांगी थी, जो अभी तक नहीं मिली है। लिहाजा स्वीकृति नहीं मिलने पर पूरी दाखिला प्रक्रिया लटक गई है।

एसओएल को उम्मीद है कि जुलाई में स्वीकृति मिल जाएगी। बता दें कि बीते सत्र 2017-18 में एसओएल की दाखिला प्रक्रिया जून के पहले हफ्ते में शुरू हो गई थी।

इस बार की दाखिले प्रक्रिया शुरू करने से पहले एसओएल में बोर्ड में स्वीकृति के लिए अपनी तरफ से मई में ही आवेदन कर दिया था, लेकिन अभी तक बोर्ड से स्वीकृति नहीं मिली है। हालांकि एसओएल की तरफ से ऑनलाइन दाखिला प्रक्रिया पूरी करने के लिए पूरी तैयारी पहले ही हो चुकी है। बताया जाता है कि इस हफ्ते यूजीसी में एक बैठक होने जा रही है, जिसमें एसओएल प्रशासन स्वीकृति मिलने की आशा लगाए है।

एसओएल प्रशासन के अनुसार यदि इस हफ्ते बोर्ड से स्वीकृति मिल जाती है तो अगले हफ्ते से दाखिला प्रक्रिया आरंभ हो सकती है।

बता दें कि जिन छात्रों को हाई कटऑफ के चलते नियमित कॉलेजों में दाखिला नहीं मिल पाता है, वे विद्यार्थी एसओएल में कम अंक फीस में दाखिला पा जाता है। बताया जाता है कि दाखिला प्रक्रिया देर से चालू होने के चलते इसकी परीक्षाएं और फिर नतीजे आने में भी देरी होने की स्थिति रहेगी।

बता दें कि एसओएल में 31 अगस्त बिना लेट फीस तक दाखिला लिया जाता है। इसके बाद सितम्बर के दूसरे हफ्ते तक विलंब शुल्क के साथ दाखिले होते हैं।

संपादकीय

लोकपाल का समय

सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता अगर इसी तरह बरकरार रही, तो जल्द ही देश को उसका पहला लोकपाल मिल जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह एक हलफनामा देकर यह बताए कि लोकपाल की नियुक्ति कब तक हो जाएगी? कार्यपालिका के ऊंचे स्तरों पर भ्रष्टाचार को रोकने के लिए लोकपाल की नुियक्ति की जो अवधारणा 1963 में दी गई थी, वह साढ़े छह दशक बीतने के बाद भी अभी तक साकार नहीं हो सकी है। यह भी सच है कि इसकी राह इतनी आसान नहीं थी, और लोकपाल हकीकत की तरफ बढ़ता हुआ कदम नहीं, बल्कि एक नारा और एक मुद्दा था। जो विपक्षी दल लोकपाल की बात करते थे, वे भी जब सत्ता में आए, तो उन्होंने कुछ नहीं किया। कई सारी समितियां बनीं, ढेर सारे सुझाव आए, इसके तमाम विधेयक भी तैयार हुए, उनकी खामियों पर ढेर सारी चर्चाएं भी हुईं, विधेयक संसद में पेश भी हुए, मगर बात कभी आगे बढ़ी नहीं। बात का बढ़ना तभी शुरू हुआ, जब गांधीवादी नेता अन्ना हजारे ने इस मसले को उठाया और देश में एक आंदोलन जैसा माहौल बना। इस माहौल के बनने का एक बड़ा कारण यह भी था कि उन दिनों भ्रष्टाचार के कई बड़े और बहुत बड़े मामले एक के बाद एक उजागर हुए, जिसकी वजह से लोगों के मन में गुस्सा था और अन्ना हजारे ने इसी गुस्से को एक आकार दे दिया था। इसके बाद सरकार और तकरीबन सभी दल एक ठीक-ठाक लोकपाल विधेयक पर सहमत हुए। यह विधेयक न सिर्फ संसद में पेश हुआ, बल्कि दिन-रात एक करके तमाम संशोधनों के साथ 2013 में फटाफट पारित भी हुआ। 2014 शुरू होते ही राष्ट्रपति ने इस पर दस्तखत भी कर दिए और देश को पहला लोकपाल कानून मिला। हालांकि चार साल बीत गए और देश अभी भी लोकपाल की नियुक्ति का इंतजार कर रहा है।.

यहां हम चाहें, तो पहले की तमाम सरकारों की तरह ही इस सरकार को भी दोष दे सकते हैं कि उसने लोकपाल मसले पर कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई, वह भी तब, जब इसका कानून बन चुका था और लोकपाल की नियुक्ति उसकी जिम्मेदारी थी। लेकिन इसके लिए सरकार का जो तर्क है, उस पर भी हमें गौर करना होगा। लोकपाल की नियुक्ति की जो प्रक्रिया है, उसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता को भी शामिल किया जाना है। 2014 के आम चुनाव के बाद लोकसभा का जो गणित बना है, उसमें किसी भी दल के पास विपक्षी दल की हैसियत नहीं है। विपक्षी दल नहीं है, इसलिए विपक्ष का नेता भी नहीं है। मामला सुप्रीम कोर्ट के पास पहुंचा, तो उसने कहा कि नियुक्ति को सिर्फ विपक्ष का नेता न होने के कारण नहीं रोका जा सकता, इसलिए इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाना चाहिए। उसके बाद भी प्रगति धीमी थी, इसलिए अदालत ने अब समयबद्ध प्रगति और इस बाबत हलफनामे की बात की है। यह अच्छी बात है कि लोकपाल की नियुक्ति का काम उस समय होने जा रहा है, जब भ्रष्टाचार के बड़े मसले पहले की तरह से राष्ट्रीय विमर्श में नहीं हैं। विजय माल्या या नीरव मोदी जैसे कुछ उदाहरण जरूर दिए जा सकते हैं, लेकिन ये ऐसे मामले हैं, जिनसे मौजूदा कानूनी व्यवस्थाओं से ही निपटा जा सकता है। आज के माहौल में अगर देश को लोकपाल जैसी सदृढ़ व्यवस्था मिलती है, तो इससे उच्च स्तर पर ऐसे मामलों में कमी भले ही शुरू में न दिखे, लेकिन वे बढ़ेंगे नहीं।

आदमखोर भीड़

महाराष्ट्र के धुले जिले के राइनपाड़ा गांव के निवासियों ने पांच निदरेष युवकों को जिस बेरहमी से लाठी-डंडों से पीट-पीट कर मार डाला वह रोंगटे खड़ी करने वाला है। खबरों के अनुसार मारे गए युवक एक बस से उस गांव में उतरे थे। वहां से कहीं जाने के लिए उन्होंने एक बच्चे से रास्ता पूछा। बस, क्या था। किसी ने कह दिया ये बच्चा चोर हैं और लोगों ने उन पर हमला कर दिया। उनके अनुनय-विनय का उन्मादित भीड़ पर कोई असर नहीं हुआ। पुलिस ने अभी तक इस अपराध के लिए 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। हो सकता है उनको सजा भी मिल जाए। किंतु इससे जो मर गए न वे वापस आ सकते हैं न जिन परिवारों पर पहाड़ टूट पड़ा उनका दुख कम हो सकता है। अपने किस्म की यह कोई पहली घटना भी नहीं है। भीड़ द्वारा महज अफवाह पर भयावह हिंसा को अंजाम देने की घटनाएं हर एक अंतराल पर घटती रहतीं हैं। महाराष्ट्र में इस समय सोशल मीडिया पर बच्चा चोरों और गुर्दा चोरी की अफवाह बुरी तरह फैली हुई है। सरकार ने कई बार इसका खंडन किया, लेकिन अफवाह खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। 21 जून को गोंदिया जिले में गुर्दा चोर होने के संदेह में एक भिखारी की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। घटना का वीडियो सामने आने पर 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ। इससे पहले 15 जून को औरंगाबाद में किराए का मकान खोज रही महिला को बच्चा चोर समझकर भीड़ ने पीटकर अधमरा कर दिया। 6 जून को भी नांदेड़ जिले में काम के लिए आए चार लोगों पर बच्चा चोर समझकर हमला हुआ था, लेकिन वे बच गए। यह किस तरह के समाज का लक्षण है? किसी पर हमला करने से पहले हम सच्चाई को समझने की कोशिश क्यों नहीं करते? वैसे अगर कोई अपराधी हो तब भी उसे मार डालने या उस पर हमला करने का हमें अधिकार नहीं। एक सभ्य समाज का लक्षण यही है कि हम पुलिस को इसकी सूचना दें और कानून को अपना काम करने दें। अगर इतना भर विवेक समाज के अंदर पैदा हो जाए तो ऐसी घटनाएं नहीं होंगी। भारतीय समाज में इतनी हिंसा और उतावलापन की विकृति कहां से आ गई, इस पर अवश्य विचार होना चाहिए। ये घटनाएं बता रहीं हैं कि समाज ऐसे मामलों में विवेकशील आचरण करे इसके लिए व्यापक पैमाने पर जन जागरण एवं अन्य अभियान चलाने की आवश्यकता है।

टू दि प्वाइंट/ आलोक पुराणिक

जोरावर सिंह के केश श्रृंगार

विकट दाढ़ी रखे गर्मी के मौसम में भी शर्ट के ऊपर कुछ जैकेट सी चढ़ाए मॉडल फैशन शो में कैटवॉक टाइप कुछ कर रहे थे। पता चला कि मॉडल का नाम जोरावर सिंह है। पुरु ष श्रंगार सामग्री के लिए भी मॉडलिंग करते हैं। इश्तिहारों में दढ़ियल मॉडल बताते हैं कि वह वाला हेयर ऑयल यूज करें, वह वाला हेयर जेल, वह हेयर क्रीम, वह हेयर वैक्स। भाई ऑयल से काम ना चलने का क्या! ना जी सिर्फ ऑयल से बात न बनेगी। हेयर क्रीम से बालों में चिकनाई आएगी। ऐसेई नहीं है कि एक तेल चपक के निकल लिए। जिस सुंदरी को सिंह पर आकर्षित होना होगा वह सघन साक्षात्कार में कनफर्म करेगी-यह वाला तेल लगाया-यस जी। वह हेयल जेल लगाई-यस जी। वह हेयर क्रीम लगाई, यस जी। वह वाला हेयर वैक्स लगाया-यस जी। ओके तब हम तुमपे आकर्षित होंगे जोरावर। उफ्फ हाय जोरावर सिंह नाम सुनकर मैं मध्यकाल के कतई राजस्थानी माहौल में चला गया। सुंदरियां तब बेवकूफ टाइप होती थीं, सिर्फ वीरता पर फिदा होती थीं। अब तो सिर्फ सिर के बालों में ही चार तत्वों की पड़ताल करके आगे बढ़ती हैं। शैंपू संबंधी विकल्पों की पड़ताल होती है। डैंड्रफवाला शैंपू, हेयर फॉल वाला। बालों को मोटा करने वाला, बालों को पतला करने वाला, बालों को घुंघराला करने वाला। एक बाबा जी हैं बालों को घुंघराला और चमकीला बनाने वाला आयुर्वेदिक शैंपू बेचते हैं। कभी कभी प्रवचन भी देते पाए जाते हैं-सब माया मोह, मृत्यु ही एकमात्र सत्य है। मरके आदमी के घने-चमकीले बाल धूं धूं करके जलते हैं। मेरा मन करता है कि कह दूं बाबा जी पीछे वह मुनाफा बच जाता है, तो मृतक के बालों को चमकीला और घुंघराले बनाने वाले शैंपू की बिक्री से आया था। सिर के बालों पर बाल-विमर्श निपट गया हो ऐसा नहीं है। सुंदरियों को आकर्षक करने की एलिजिबिलटी इतनी आसानी से ना आती। दढ़ियल मॉडलों को तमाम कंपनियां प्रमोट इसीलिए प्रमोट कर रही हैं कि उन्हें बीर्यड ऑयल यानी दाढ़ी का तेल बेचा जा सके। दाढ़ी के लिए बीर्यड बटर बाम अलग से लेनी होती है। हां, दाढ़ी के लिए बीर्यड जेल भी अलग लगाना होता है। कंपनियां दाढ़ी में घुस करोड़ों के नोट झाड़ रही हैं वहां से। जोरावर सिंह के सिर्फ केश के ही सोलह श्रृंगार हैं, कभी सोलह श्रृंगार में पूरी सुंदरी श्रृंगारित हो लेती थी।

सुरक्षा के दबाव, जनता की राजनीति

विभूति नारायण राय पूर्व आईपीएस अधिकारी

किसी राजनेता का सपना क्या सुरक्षा एजेंसियों का दुःस्वप्न बन सकता है? कम से कम एक मामले में तो ऐसा ही लगता है। दिलचस्प यह है कि इसका संबंध स्वयं राजनेताओं की सुरक्षा से जुड़ा है। जनता से सीधा रिश्ता कायम करना हर राजनेता की कामना हो सकती है, हर राजनीतिक व्यक्ति एक ऐसे फोटो फ्रेम का हिस्सा होना चाहता है, जिसमें अपार जन समुदाय को अपनी वक्तृता से हिलोरने वाला उसका मुस्कराता चेहरा जड़ा हो। यही कामना उसकी सुरक्षा से जुड़े लोगों की नींद हराम कर सकती है। उनका बस चले, तो सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारी को किसी कोने-अंतरे में छिपाकर रखें, जहां तक जनता की पहुंच ही न हो, लेकिन स्वाभाविक ही है कि नेता उनकी राय का मौका मिलते ही उल्लंघन करता है। जनता उसकी प्राण-वायु है और उससे दूर रहकर उसका दम घुटता है।

भारतीय संदर्भ में देखें, तो कई बार ऐसा हो चुका है। महात्मा गांधी की हत्या के षड्यंत्र की जानकारी तत्कालीन बंबई प्रांत के गृह मंत्री मोरारजी देसाई से होती हुई देश के गृह मंत्री सरदार पटेल तक पहुंच गई थी और दस्तावेजों में उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, गांधीजी ने अपनी प्रार्थना सभाओं में सुरक्षा के लिए पुलिस की नियुक्ति या वहां आने वाले व्यक्तियों की तलाशी का सरकारी आदेश कारगर नहीं होने दिया। महात्मा होने के साथ गांधी एक राजनेता भी थे और जनता से सीधा संवाद उनके लिए निहायत जरूरी था। ऐसा ही कुछ हुआ श्रीमती इंदिरा गांधी के साथ। इंटेलिजेंस ब्यूरो ने ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद सलाह दी थी कि उनकी सुरक्षा में नियुक्त सिख पुलिसकर्मियों को हटा दिया जाए, पर एक जमीनी राजनीतिज्ञ होने के कारण स्वाभाविक था कि इंदिराजी ने इसे मानने से इनकार कर दिया और उसकी कीमत भी चुकाई। राजीव गांधी को लेकर मेरा खुद का अनुभव इसी तरह का है, जब खालिस्तानी आंदोलन के चरम पर होने और बार-बार हमारे अनुरोध के बावजूद वह अपने चुनाव क्षेत्र अमेठी में सुरक्षाकर्मियों को चकमा देकर अकेले निकल जाते थे। जनता के बीच जाने का मोह संवरण न कर पाने के फलस्वरूप ही उनका दुखद अंत भी हुआ।

आज जब मीडिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा को लेकर एसपीजी और खुफिया एजेंसियों के हवाले से खबरें छप रही हैं, तो स्वाभाविक रूप से इस तरफ ध्यान जाएगा। यह तो उनके विरोधी भी मानते हैं कि जनता से जैसा सीधा तादात्म्य वह कायम कर लेते हैं, वैसा कम ही प्रधानमंत्री कर पाते थे। उनके पहले जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी या अटल बिहारी वाजपेयी ही लाखों की भीड़ को बांधे रख सकते थे। आज उनके दल या गठबंधन में किसी अन्य की कद-काठी ऐसी नहीं है कि जिसके नाम पर भारत में कहीं भी बड़ी भीड़ इकट्ठी की जा सके और जो लोगों को देर तक खुद को सुनवा सके। वक्तृता एक कला है और उन्होंने इसमें महारत हासिल कर ली है। अपनी इसी क्षमता के बल पर

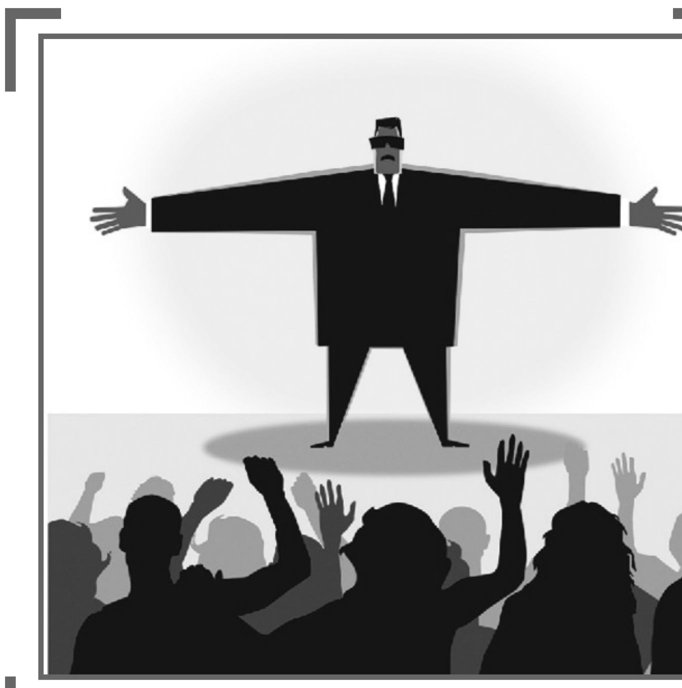

उन्होंने गुजरात के हालिया चुनाव में लगभग हारी हुई बाजी पलट दी थी। भाषणों के अलावा अपने लंबे रोड शो के जरिये भी वह मतदाताओं से सीधा संवाद करते हैं। भले ही यह तर्क दिया जाता हो कि उनके भाषणों में कोई महत्वपूर्ण अंतर्वस्तु नहीं होती, पर सार्वजनिक वक्तृता के सबसे महत्वपूर्ण गुण- नाटकीयता, श्रोताओं से तादात्म्य स्थापित कर सकने वाली शब्दावली और भीड़ में हुंकारी भरने के लिए प्रतिबद्ध श्रोताओं की उपस्थिति- सब कुछ उनके पास है, जो भीड़ को मंत्र-मुग्ध रख सकता है।

ऐसे में, अगर सुरक्षा एजेंसियां प्रधानमंत्री मोदी को उनकी सुरक्षा के नाम पर जनता से दूर रखने की कोशिश करेंगी, तो यह देखना दिलचस्प होगा कि इसका प्रभाव क्या पड़ेगा? 2014 के आम चुनाव के पहले देश भर में फैले संघ कार्यकर्ताओं और कॉरपोरेट मीडिया द्वारा सप्रयास मोदी की एक ऐसी छवि निर्मित की गई, जिसने भारतीय जनमानस को तेजी से अपनी ओर आकर्षित किया। इस छवि के आगे सारी स्थापित छवियां ढह गईं और मोदी को एक अखिल भारतीय स्वीकृति मिली। असर भी तत्काल दिखा, जब उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम, हर कोने में उनकी सभाओं में उमड़ी भीड़ उनके प्रश्नों पर उछल-उछलकर उनके मनमाफिक उत्तर देती दिखी। इस नए मोदी ने सिर्फ विरोधी पक्ष के कद्दावर नेताओं की कद-काठी छोटी नहीं की, वरन भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का महत्व भी कम कर दिया। इससे मोदी को निर्विवाद स्वीकार्यता तो मिली है, पर उनकी पार्टी के सामने नया संकट खड़ा हो गया है। यदि सुरक्षा कारणों से मोदी को जनता से दूर रहना पड़ा, तो अब पार्टी के पास बड़े कद का कोई नेता नहीं बचा है, जो सभाओं में भीड़ बटोर सके, उससे सीधा रिश्ता कायम कर सके या उसे मतदान केंद्रों तक लाकर अपने पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित कर सके। यह शायद सत्ता का क्रूर पक्ष भी है। आजादी के शुरुआती वर्षों को छोड़ दें, तो कांग्रेस ने भी हमेशा एक ही स्टार प्रचारक रहने दिया है।

ऐसे में, क्या मोदी और भाजपा सुरक्षा तंत्र की सलाह मानकर जनता से दूरी बना पाएंगे? मुझे नहीं लगता कि ऐसा हो पाएगा। भू-राजनीतिक या आंतरिक तर्कों के कारण हर भारतीय प्रधानमंत्री की सुरक्षा को खतरा रहता है, इसके लिए मोदी जितना सक्रिय होना जरूरी नहीं है। कुछ लोग समझाने की कोशिश कर रहे हैं, पर सुरक्षा एजेंसियों के आकलन को हमें सहानुभूति प्रचार का हथकंडा कहकर हल्के में नहीं लेना चाहिए। एक प्रधानमंत्री की हत्या की हमने बहुत बड़ी कीमत चुकाई है। इस स्थिति में राजनेता के सपनों और सुरक्षा की बाध्यताओं के मध्य तालमेल बिठाना होगा। अब तक का अनुभव बताता है कि सुरक्षा तंत्र को ही लचीला बनना पड़ेगा। न तो कोई राजनेता जनता से दूरी बनाने की सोच सकता है और न ही अपने नायक की छवि पर मुग्ध भारतीय जनता उसकी सुरक्षा जरूरतों को समझती या उनकी परवाह करती है, इसलिए प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा सचमुच एक बड़ी चुनौती है। कुछ महीने बाद, जब चुनावी ज्वर अपने उफान पर होगा, यह चुनौती और बढ़ जाएगी। एसपीजी, आईबी या दूसरी सुरक्षा एजेंसियों के लिए कमर कसने का समय आ गया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

> " न कोई राजनेता जनता से दूरी बनाने की सोच सकता है, न ही अपने नायक की छवि पर मुग्ध जनता उसकी सुरक्षा जरूरतों की परवाह करती है। "

प्रसंगवश

चुकानी होगी हमें पानी की कीमत

भरत झुनझुनवाला

नीति आयोग ने चेतावनी दी है कि दिल्ली का भूमिगत जल दो वर्ष में समाप्त हो जायेगा। तापमान बढ़ने से वर्षा का पानी भूमि में कम ही समा रहा है। दिल्ली की जनसंख्या बढ़ने से पानी की खपत बढ़ रही है। यह परिस्थिति दिल्ली तक सीमित नहीं है। बेंगलुरु तथा हैदराबाद जैसे महानगरों में भी 2020 तक पानी समाप्त होने या उसकी उपलब्धि बहुत कम हो जाने की आशंका है।

यूरोपीय महानगरी एम्सटर्डम की तुलना में पानी की प्रति व्यक्ति उपलब्धता दिल्ली में ज्यादा है। चीन की जनसंख्या हमसे सवाया है, फिर भी वह देश हमारी तुलना में 28 प्रतिशत कम पानी का उपयोग कर रहा है। हमारे पास पर्याप्त पानी है परन्तु गलत नीतियों के कारण हम संकट में अनायास ही पड़ रहे हैं।

लगभग 80 प्रतिशत पानी का उपयोग खेती में किया जाता है। बाजरा और रागी जैसी फसलें बिना सिंचाई के ही पैदा हो जाती हैं। गेहूं और चावल जैसी फसलों को एक या दो बार पानी दे दिया जाए तो ठीक-ठाक हो जाती हैं। लेकिन अंगूर, गन्ने और लाल मिर्च को 15 से 20 बार पानी देना होता है। इन फसलों के उत्पादन में पानी का अधिक उपयोग होने से कई राज्यों में संकट पैदा हो रहा है। कर्नाटक में अंगूर, उत्तर प्रदेश में गन्ना और राजस्थान में लाल मिर्च की खेती के लिए हम पानी का भारी मात्रा में उपयोग कर रहे हैं।

अधिक लाभ के लिए किसान सोचता है कि एक अतिरिक्त सिंचाई करने में उसका खर्च कितना बैठेगा और बढ़ी हुई फसल से लाभ कितना मिलेगा। यदि पानी महंगा होगा तो उत्पादन का खर्च बढ़ने से किसान लाल मिर्च के स्थान पर बाजरे जैसी किसी दूसरी फसल का उत्पादन करेगा, जिसे पानी की जरूरत कम पड़ती है। पानी महंगा होगा तो किसान उसका कम उपयोग करेगा।

अपने देश में नहर का पानी बहुत सस्ता है। किसान द्वारा क्षेत्र के हिसाब से एक बार मूल्य अदा कर दिया जाए तो वह कई बार सिंचाई कर सकता है। इसी प्रकार किसान को फ्री या सस्ती बिजली से ट्यूबवेल से पानी निकालना सस्ता हो गया है। वह पानी की अधिक खपत करने वाली फसलों की खेती कर रहा है। प्रश्न उठता है कि पूर्व में ही संकटग्रस्त किसान पर पानी के दाम बढ़ा कर अतिरिक्त बोझ डालना उचित होगा क्या? इस समस्या का उपाय है कि पानी की कम खपत करने वाली फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ा दिया जाए। तब उत्तर प्रदेश के किसान के लिए गन्ने के स्थान पर गेहूं और राजस्थान के किसान के लिए लाल मिर्च के स्थान पर बाजरे की खेती करना लाभप्रद हो जाएगा।

पानी के संकट का दूसरा कारण पानी का भंडारण बड़े बांधों में करने की पॉलिसी है। टिहरी बांध के पीछे 45 किलोमीटर लम्बा तालाब बन गया है। इस पानी पर धूप की किरणें पड़ने से पानी का वाष्पीकरण होता है। अनुमान है कि 10 से 15 प्रतिशत पानी इस प्रकार हवा में उड़ जाता है। इसके बाद नहर से पानी को खेत तक पहुंचाने में वाष्पीकरण तथा रिसाव होता है। अनुमान है कि 25 प्रतिशत पानी की बर्बादी हो जाती है। इस समस्या का उपाय है कि पानी का भंडारण जमीन के ऊपर करने के स्थान पर जमीन के नीचे किया जाए। आपने ट्यूबवेल से पानी निकलता देखा होगा। जमीन के नीचे पानी के तालाब होते हैं। ट्यूबवेल से इन्हीं तालाबों से पानी निकाला जाता है। सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड के अनुसार उत्तर प्रदेश के इन जमीनी तालाबों में 76 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी का भंडारण किया जा सकता है जो कि टिहरी की 2.6 बिलियन क्यूबिक मीटर की क्षमता से 30 गुणा है। जमीनी तालाबों में पड़े पानी का वाष्पीकरण नहीं होता है। हां, पानी निकालने में बिजली का खर्च जरूर बढ़ता है।

बड़े बांधों में नदी का पानी रुक जाने से बाढ़ कम आती है, जमीन पर पानी कम फैलता है, जमीनी तालाबों में पानी का पुनर्भरण कम होता है और ट्यूबवेल से सिंचाई भी कम होती है। यदि यमुना के ऊपर हथनीकुंड आदि में बने बेराज को हटा दिया जाये तो बरसात के समय यमुना का पानी दिल्ली के चारों तरफ फैलेगा और आसपास के भूमिगत जल का पुनर्भरण हो जायेगा। प्रकृति की इस देन को लागू करने के लिए हमें शहर इस प्रकार बसाने पड़ेंगे कि बाढ़ के समय आम आदमी को परेशानी न हो। इनके मकानों का स्तर जमीन से ऊंचा करना होगा।

बड़े बांधों से जनित वाष्पीकरण, नहरों से रिसाव तथा बाढ़ कम आने की समस्याओं का उपाय है कि जमीनी तालाबों में वर्षा के पानी का भंडारण किया जाए। खेत के चारों तरफ मेढ़ बनाकर वर्षा के पानी को ठहराने से जमीनी तालाबों में पुनर्भरण होता है। पानी के संकट का कारण है कि हम शहरवासी सस्ती चीनी और बड़े ठेके चाहते हैं। हमें तय करना है कि हमें सस्ती चीनी चाहिए अथवा नहाने और पीने को पर्याप्त पानी। देश में पर्याप्त पानी उपलब्ध है परन्तु गलत नीतियों को अपनाकर हमने अनायास ही आम आदमी को संकट में डाल दिया है।

महिला खिलाड़ी

सोच में बदलाव से बदलेगी तस्वीर

माशा

खेलों की दुनिया में महिलाएं पीछे हैं-सभी जानते हैं। यह बात आंकड़े भी बताते हैं। यह भी सच है कि बड़े टूर्नामेंट्स में महिला खिलाड़ियों के साथ दोयम दरजे का बर्ताव होता है। वे दुनिया के किसी भी कोने की रहने वाली क्यों न हों- बड़े से बड़े विकसित देश में। हाल में विंबलडन में लैंगिक असमानता का एक बड़ा उदाहरण देखने को मिला। इंग्लैंड के लेखक और टेनिस फैन मार्क लेलैंड ने टूर्नामेंट पर अध्ययन करने के बाद एक बड़ा खुलासा किया है। उनका कहना है कि इस चैंपियनिशप में पिछले 25 वर्षो से मुख्य कोर्ट्स में महिलाओं के मैच बहुत कम होते हैं। 1993 से 2017 के बीच सेंटर और नम्बर वन कोर्ट्स में पुरु षों के औसतन 61त्न और महिलाओं के औसतन 39त्न मैच हुए। लेलैंड का यह भी कहना है कि चूंकि पुरु षों के मैच महिलाओं के मैच से अधिक लंबे समय तक चलते हैं, तो अंदाजा लगा सकते हैं कि पुरु ष खिलाड़ी इन कोर्ट्स में दो से ढाई गुना समय अधिक बिताते हैं। यह अध्ययन गार्जियन अखबार में प्रकाशित हुआ है। उल्लेखनीय है कि यह चैंपियनिशप शुरू हो चुकी हैं। इस विश्लेषण की 23 बार की ग्रैंड स्लैम विजेता सेरेना विलियम्स भी पुष्ट कर चुकी हैं। उन्हें भी बहुत बार छोटे कोर्ट्स में खिलाया गया। लेलैंड ने अपने अध्ययन में स्पष्ट किया है कि 2007 से 2016 के बीच रॉजर फेडरर 31 बार सेंटर कोर्ट और सात बार नम्बर वन कोर्ट में खेल चुके हैं। दूसरी ओर सेरेना 18 बार सेंटर, सात बार नम्बर वन और आठ बार छोटे कोर्ट्स में खेल चुकी हैं। 2003 में पहली बार टूर्नामेंट जीतने के बाद फेडरर ने कभी किसी छोटे कोर्ट में नहीं खेला, जबकि सेरेना को 2002 में पहली बार जीतने के बावजूद कई बार छोटे कोर्ट्स में खेलना पड़ा। भेदभाव हर स्तर और हर टूर्नामेंट में है।

सबसे बड़ा भेदभाव तो खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि और वेतन में है। वीमेन्स स्पोर्ट्स वीक के लिए बीबीसी ने पिछले वर्ष एक रिपोर्ट कमीशन की थी। इसमें कहा गया था कि भले ही 83त्न खेलों में पुरु ष और महिला खिलाड़ियों को समान पुरस्कार राशि मिलने लगी हो, लेकिन फुटबॉल, क्रि केटर और गोल्फ जैसे बड़े खेलों में महिलाओं की कमाई में पुरु षों से बहुत कम है। इसीलिए दुनिया के 100 सबसे धनवान खिलाड़ियों में सिर्फ एक महिला है-सेरेना विलियम्स। पुरस्कार राशि ही नहीं, महिला खिलाड़ियों को वेतन भी कम मिलता है। भारत में महिला क्रिकेटरों के कॉन्ट्रैक्ट सालों-साल रीन्यू ही नहीं किए जाते। मार्च में बीसीसीआई ने अपने सभी खिलाड़ियों की 200त्न वेतन वृद्धि की। मशहूर पुरु ष क्रिकेटरों के लिए दिल खोलकर पैसा दिया पर महिला क्रिकेटरों के मामले में कंजूसी दिखाई। जहां विराट कोहली, रोहित शर्मा, शिखर धवन जैसे ए प्लस श्रेणी के खिलाड़ियों को सालाना 7 करोड़ रु पये देने की घोषणा की गई, वहीं मिताली राज, झूलन गोस्वामी जैसी ए श्रेणी की खिलाड़ियों को 50 लाख रु पये। मार्च में ही पूर्व टेनिस खिलाड़ी और 18 बार की ग्रैंड स्लैम विजेता मार्टनिा नवरातिलोवा ने आरोप लगाया था कि विम्बलडन के दौरान उन्हें बीबीसी के लिए कमेंट्री करने पर जॉन मैकेनरो से बहुत कम वेतन दिया गया। बराबर काम करने के बावजूद मैकेनरो को उनसे 10 गुना ज्यादा पैसा दिया गया। फीफा में भी यही स्थिति है। फीफा महिला विश्व कप के लिए 15 मिलियन डॉलर देता है, और पुरु षों के लिए 576 मिलियन डॉलर-लगभग 40 गुना ज्यादा। गोल्फ में भी पुरु ष खिलाड़ी महिला खिलाड़ियों से दुगुनी पुरस्कार राशि बटोर ले जाते हैं। न्यूजवीक पत्रिका का दावा है कि न्यूजीलैंड की लाइडिया ने जिस साल प्रोफेशनल गोल्फ में रैंक वन हासिल की, उस साल भी उन्हें 25वीं रैंक वाले पुरु ष गोल्फर से कम पैसे मिले। लाइडिया 2015 में 17 साल, 9 महीने और 9 दिन की उम्र में वर्ल्ड नम्बर वन गोल्फर बनने वाली पहली खिलाड़ी हैं। पक्षपात भेदभाव के अलावा महिला खिलाड़ियों के साथ उत्पीड़न के मामले भी बढ़ रहे हैं। खेल में जेंडर इक्वैलिटी प्रेशर ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार, महिला फुटबॉल में लैंगिक भेदभाव और उत्पीड़न की घटनाएं इस सीजन में 400त्न तक बढ़ी हैं। ग्रुप ने 2017-18 की 271 रिपोर्ट्स के आधार पर यह डेटा निकाला है।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को भी हाल में अपने तीन क्षेत्रीय केंद्रों से यौन उत्पीड़न की शिकायतें मिली हैं। गैर बराबरी इसलिए है क्योंकि हमारी सोच ही ऐसी है। दो साल पहले टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने यह कहने पर सबसे लताड़ खाई थी कि औरतों के खेल देखता ही कौन है? उन्हें वेतन और पुरस्कार राशि कम मिलती है, तो इसमें क्या गलत है। इस सोच को बदलने के साथ ही क्या महिला खिलाड़ियों की स्थिति में भी बदलाव आएगा?

सार समाचार

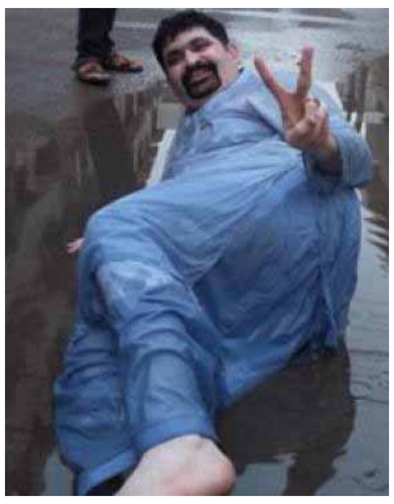

पाक चुनाव: कराची में वोट मांगने के लिए नाली के पानी में लेट गए यह नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव के पहले नेता मतदाताओं को लुभाने के लिए क्या कुछ नहीं करते। लेकिन कराची में एक नेता ने तो हद कर दी। यहां एक नेता वोट मांगते हुए सीवेज के पानी में बैठ गए और लेट गए। केवल इतना ही नहीं उन्होंने वहां से एक फेसबुक लाइव भी किया। थोड़ी देर के बार उन्होंने अपने हाथ में पाकिस्तान का राष्ट्रीय झंडा भी लहराया और नाले में लेटकर मुस्काते हुए अपने समर्थकों से फोटो भी खिंचवाया। कराची के अयाज मेमन मोतीवाला एनए-243 से निर्दलीय उम्मीदवार हैं। अयाज इस कदम के द्वारा यह दिखाना चाहते थे कि उन्हें लोगों को गंदगी और गलत सीवेज व्यवस्था के कारण हो रही परेशानी का एहसास है और उनका दुख-दर्द वह जानते हैं। उन्होंने निर्णय लिया कि वह इसके लिए सरकार और विपक्षी दलों को आइना दिखाते हुए जबर्दस्त आंदोलन करेंगे और इसी के तहत उन्होंने पिछले हफ्ते कई घंटे तक गंदे नाले में बैठकर धरना दिया। इनकी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल खूब वायरल हो रही है। हालांकि कई लोगों ने उनके इस कदम की आलोचना करते हुए यह भी कहा कि वह खुद को मूर्ख साबित कर कर रहे हैं और यह उनका सिर्फ पब्लिसिटी स्टंट है।

कई बीमारियों को ठीक करती हैं ग्रीन-टी व रेड वाइन, जानें इनके फायद

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्रीन-टी और रेडवाइन का सेवन सेहत के लिए बरदान साबित हो सकता है। एक ताजा अध्ययन के अनुसार, ग्रीन-टी और रेड वाइन के सेवन से हृदयघात और हाई ब्लड पेसर समेत कुछ खास किस्म में कैंसर तक का खतरा कम हो जाता है। अध्ययन में यह भी सामने आया है कि ग्रीन और रेड वाइन में जो तत्व होते हैं वो शरीर में शरीर में उन जहरीले मोलक्यूल को बनने से रोकते हैं, जिनके कारण से मेंटल डिसॉर्डर की समस्या होती है। यह ताजा अध्ययन रसायन के संवाद (कॉम्युनिकेशन्स कैमिस्ट्री) नाम की मैगजीन पर प्रकाशित हुआ है, जिसमें पाया गया है कि ग्रीन-टी में प्राकृतिक रूप से ऐसे कई तत्व पाए जाते हैं जो जहरीले मेटाबालिट्स के निर्माण को रोकते हैं। इस प्रकार ग्रीन-टी की मदद से लोगों में आनुवांशिक रूप से होने वाली कई बीमारियों को रोका जा सकता है। अध्ययन में कहा गया है कि बहुत से लोगों को मेटाबालिक डिसॉर्डर की समस्या जन्म से ही होती है। जिन लोगों को इलाज नहीं मिल पाता उन्हें पूरे जीवन एक सख्त डाइट रूटीन का पालन करना होता है। दिल्ली के एक न्योरोसर्जन डॉ अनुज कुमार के अनुसार, ग्रीन-टी में पाए जाने वाले तत्वों से नसों को सक्रिय बनाने में मदद मिल सकती है। यहां तक कि इसके तत्व अल्जाइमर और पर्किंसन तक के खतरे को कम कर सकते हैं। यह अध्ययन इहुद गजित की नेतृत्व में इजरायल की तेल अवीव यूनिवर्सिटी में किया गया।

महिला ने सुपरमार्केट से खरीदा सलाद, निकला जिंदा मेंढक

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूके के कार्नवॉल में रहने वाली महिला सुपरमार्केट से सलाद खरीदकर लाई। महिला को सलाद में छोटा सा जिंदा मेढक मिला। महिला ने इस पूरी घटना का वीडियो ट्विटर शेयर किया है। 37 साल की शेवाउघन टोलपुट वेजिटेरियन डाइट ले रही थी जिसके लिए वो मार्केट से सलाद खरीदकर लाईं। डेली मेल की खबरों के मुताबिक महिला ने जैसे ही घर आकर सलाद का पैकेट खोला तो उसमें से दो छोटी आंखे उन्हें घूरती दिखीं। खबरों के मुताबिक महिला के पति ने सलाद को टपरवेयर कंटेनर में रखा था जिसके कारण महिला अपने पति पर गुस्सा हुई। लेकिन मेढ़क सही सलामत था। इसके बाद महिला के पति ने मेढ़क को खेतों में छोड़ दिया। महिला ने इस बात का भी जिक्र किया है।

»» फीफा वर्ल्ड कप 2018 :

सही भविष्यवाणी कर रहे ऑक्टोपस को काटकर खाया

नई दिल्ली। एक ऐसा ऑक्टोपस जिसने इस वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज तक जापान के सभी मेचों की सही भविष्यवाणी की थी, अब एक सी-फूड बन चुका है।

इस फीफा वर्ल्ड कप में जापान के कोलंबिया, पौलेंड और सेनेगल के खिलाफ तीनों ही मेचों में सही भविष्यवाणी करने वाले 'रैबिओट' जो कि एक ऑक्टोपस है, को सी-फूड की तरह खा कर चट किया जा चुका है। और अब रैबिओट नॉक आउट स्टेज में जापान टीम के लिए भविष्यवाणी नहीं कर पाएगा। स्थानीय मीडिया के अनुसार, रैबिओट को ओबीरा, होक्काइडो से पकड़ा गया था और अभी तक 100 फीसदी सही भविष्यवाणी करने के बावजूद रैबिओट को सी-फूड की तरह बिकने के लिए बाजार में भेज दिया गया। रैबिओट को 2010 में मशहूर हुए पॉल द ऑक्टोपस की तरह देखा जा रहा था, जिसने वर्ल्ड कप 2010 में कई बार सही भविष्यवाणी की थी और मशहूर हो गया था।

इस तरह करता था भविष्यवाणी

रैबिओट एक पूल में तीन बास्केट में से किसी एक की ओर तैरता था। इन तीन बास्केट में से एक पर जापान का नाम होता था।

दूसरे पर प्रतिद्वंद्वी टीम का और तीसरे पर ड्रॉ होता था। रैबिओट जिसकी भी ओर तैरता था उसे ही उसकी भविष्यवाणी समझा जाता था। इस ऑक्टोपस की भविष्यवाणी हर बार ठीक हुई थी। सबसे पहले इसने भविष्यवाणी की कि जापान कोलंबिया को हराएगा। इसके बाद इसकी भविष्यवाणी के अनुसार, जापान और सेनेगल का मैच ड्रॉ रहेगा। इसके बाद इसने यह भी सही भविष्यवाणी की कि जापान को पौलेंड के विरुद्ध हार का सामना करना पड़ेगा।

सोशल मीडिया पर हो रही तस्वीरें वायरल

सोशल मीडिया पर एक ऑक्टोपस की बाजार में लटके हुए तस्वीरें वायरल हो रही है। लेकिन, अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि सोशल मीडिया पर जिस ऑक्टोपस की तस्वीरें वायरल हो रही हैं, वह रैबिओट ही है।

मछुआरे ने कहा खुशी है

वहीं, 51 साल के मछुआरे कीमीओ आबे का कहना है कि उनका व्यवसाय रैबिओट को जिंदा रखने से ज्यादा जरूरी है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह खुश हैं कि रैबिओट ने तीन बार सही भविष्यवाणी की।

परमाणु हथियार नष्ट करने पर उ. कोरिया गंभीर : ट्रंप

■ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियारों को नष्ट करने को लेकर 'बहुत गंभीर' है।

ट्रंप ने अपने इस कथन के साथ ही उन खबरों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों के अपने भंडार को पूरी तरह खत्म करने की मंशा नहीं रखता। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन ने 12 जून को सिंगापुर में ट्रंप के साथ हुई ऐतिहासिक शिखर बैठक के दौरान 'पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण' का वादा करते हुए बदले में अमेरिका से सुरक्षा की गारंटी मांगी थी।

उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियारों और गोपनीय उत्पादन केंद्रों को छिपाने के तरीके तलाश रहा है। खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप ने कहा, 'मेरा मानना है कि वह (उत्तर कोरिया) इसको (परमाणु निरस्त्रीकरण) लेकर बहुत गंभीर है। मुझे लगता है कि वह यह करना चाहते हैं। हमारे बीच अच्छा सामंजस्य स्थापित हुआ था।'

वाशिंगटन पोस्ट की उस खबर को ट्रंप ने खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियारों को छिपाने के तलाश रहा है तरीके

'उनके साथ मेरा एक समझौता हुआ। मैंने उनसे हाथ मिलाया। मेरा सच में मानना है कि वह सचमुच ऐसा करने का इरादा रखते हैं।' समाचार पत्र ने खुफिया विभाग के अधिकारियों के हवाले से कहा था कि विभाग के अधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उत्तर कोरिया की मंशा परमाणु भंडार को पूरी तरह खत्म करने की नहीं है।

भारतीय मिशनों के प्रमुखों से मुखातिब हुए मोदी

■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को तीन दिवसीय सम्मेलन के एक सत्र में विदेशों में तैनात भारतीय मिशनों के प्रमुखों से मुखातिब हुए, जिस दौरान देश की विदेश नीति से जुड़ी प्राथमिकताओं पर चर्चा हुई।

सत्र को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने कहा कि जब से प्रधानमंत्री मोदी ने पदभार संभाला है तब से 'भारत के वैश्विक प्रभाव और प्रतिष्ठा में काफी बढ़ोतरी हुई है।' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने ट्वीट किया, मिशन प्रमुखों के 9वें सम्मेलन का प्रमुख बिंदू-तीन दिवसीय सम्मेलन के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सत्र। भारतीय दूतों ने रविवार को देश की विदेश नीति से जुड़ी प्राथमिकताओं और इसके उद्देश्यों को हासिल करने में भारत की सौम्य शक्ति (सॉफ्ट पॉवर) की भूमिका सहित कई अन्य पहलुओं पर चर्चा की थी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भी राष्ट्रपति भवन में दूतों से मुलाकात की है। कोविंद ने उन्हें बताया कि बाहरी दुनिया से भारत के संबंध की असल परीक्षा यह है कि वह घरेलू संवृद्धि एवं विकास में तेजी लाने में कितना सक्षम है।

मैक्सिको : ओब्राडोर बने राष्ट्रपति

■ मैक्सिको

मैक्सिको की नेशनल रिजेनरेशन मूवमेंट पार्टी के वामपंथी उम्मीदवार एंड्रेस मैनुअल ओब्राडोर ने राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। चुनाव निकाय संस्थान (आईएनई) ने यह जानकारी दी।

समाचार एजेंसी एफे के मुताबिक, चुनाव निकाय संस्थान द्वारा लोपेज ओब्राडोर को 53 फीसदी मत मिलने की घोषणा करने के बाद उन्होंने इसे 'ऐतिहासिक दिन' बताया। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वियों ने हार मान ली और लोपेज ओब्राडोर को जीत की बधाई दी।

ओब्राडोर ने मेक्सिको सिटी में एक कार्यक्रम में रविवार रात समर्थकों की भीड़ से कहा, मैं उन लोगों के प्रति सम्मान व्यक्त करता हूं जिन्होंने अन्य उम्मीदवारों और दलों के लिए मतदान किया था और विभिन्न संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले तीन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के लिए भी...जिससे आज हमारी जीत तय हुई है। एक दिसंबर को पद संभालने के लिए तैयार ओब्राडोर (64) ने भरोसा दिलाया कि वह यथार्थ में लोकतंत्र

स्थापित करने की मांग करेंगे। उन्होंने वित्तीय अनुशासन के जरिए भ्रष्टाचार से निपटने का संकल्प लिया। ओब्राडोर ने यह भी कहा, वह अमेरिका के साथ दोस्ताना संबंध चाहते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका का राष्ट्रपति बनने और फिर उनकी आव्रजन नीति को लेकर दोनों देशों के बीच संबंध कुछ खास अच्छे नहीं हैं। हालांकि, ट्रंप ने ट्वीट कर ओब्राडोर को मेक्सिको का अगला राष्ट्रपति बनने की बधाई दी। ओब्राडोर के करीबी प्रतिद्वंद्वी कंजरवेटिव नेशनल एक्शन पार्टी के रिकॉर्डो अनाया 22 फीसदी मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि सत्तारूढ़ इंस्टीट्यूशनल रिवोल्यूशनरी पार्टी के जोस एंतोनियो मीडे 16 फीसदी मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे और निर्दलीय जेम रोड्रिगेज को 5.5 फीसदी मत मिले।

मैक्सिको सिटी में पहली बार चुनी गई महिला मेयर

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको सिटी के इतिहास में पहली बार एक महिला मेयर चुनी गई है। एक्जिट पोल कंपनी मिटोफस्काई के एक अनुमान के मुताबिक, स्थानीय नेत्री और वैज्ञानिक क्लौडिया शीनबाम (56) उत्तर अमेरिका के सबसे बड़े शहर में 47.5 से 55.5 प्रतिशत के बीच मत हासिल कर जीत चुकी हैं। इससे पहले रोजारियो रोबल्स थीं, जिन्हों ने अंतरिम आधार पर 1999 से 2000 के बीच महापौर के रूप में कार्य किया था। हालांकि भौतिकी शास्त्र में डॉक्टरेट करने वाली शीनबाम इस पद के लिए निर्वाचित होने वाली पहली महिला होंगी।

कराची : एक रैली के बाद सोमवार को अपने समर्थकों से हाथ मिलाते पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी।

बिलावल भुट्टो के काफिले पर हमला

■ कराची

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के गढ़ ल्यारी में गुस्से से भरे प्रदर्शनकारियों ने पार्टी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो के काफिले पर हमला कर दिया। घटना में दो लोग घायल हो गये और कई वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है।

पुलिस ने सोमवार को बताया, बिलावल कल ल्यारी के बगदादी इलाके में चुनाव प्रचार कर रहे थे। उसी दौरान करीब 100 प्रदर्शनकारियों ने 'बिलावल वापस जाओ' के नारे लगाए और उनके काफिले पर पथराव किया। अधिकारियों ने कहा, पीपीपी अध्यक्ष को कोई चोट नहीं आयी है। हालांकि घटना में एक ट्रक और एक कार क्षतिग्रस्त हुई है। ल्यारी पीपीपी की पारंपरिक सीट है और बिलावल एनए -247 सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। देश में 25 जुलाई को आम चुनाव होने हैं। पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के इकलौते पुत्र और पीपीपी के संस्थापक जुल्फिकार अली भुट्टो के नाती हैं। बिलावल पहली बार आम चुनाव लड़ रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शी का कहना है कि प्रदर्शन शुरू होते ही बिलावल वहां से निकल गए थे। पार्टी नेता सईद गनी ने कहा, हमले में दो कार्यकर्ता घायल हुए हैं। उन्होंने हिंसा के लिए अन्य दलों जैसे पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट को जिम्मेदार बताया।

घटना में दो लोग घायल, कई वाहनों को पहुंचा नुकसान

शाम में बिलावल ने एक बयान जारी कर कहा, वह हिंसा से नहीं डरेंगे। प्रवक्ता के अनुसार, पीपीपी अध्यक्ष ने कहा, ल्यारी मेरे खून में है। मैं पार्टी के चुनावी घोषणापत्र के साथ देश के कोने-कोने तक जाऊंगा। हमें इन हिंसक तत्वों को हराना है, उनके सामने घुटने नहीं टेकने हैं। ऐसी ताकतें मुझे डरा नहीं सकती।

प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त, दो पायलटों की मौत

■ ढाका

बांग्लादेश वायु सेना (बीएएफ) के एक प्रशिक्षण विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से दो पायलेटों की मौत हो गई।

दक्षिण पश्चिमी बांग्लादेश के एक हवाईअड्डे से उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही यह विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि के-8 डब्ल्यू प्रशिक्षण विमान रविवार शाम जाशोर जिले में बीएएफ बेस मतिउर रहमान के पास दुर्घटनाग्रस्त होकर ऑक्सबो झील में गिर गया था। प्रवक्ता ने बताया कि हादसे में दो पायलेटोंस्क्वाड्रन लीडर मोहम्मद सिराजुल इस्लाम और स्क्वाड्रन लीडर इनायत कबीर पोलाश की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने दो तेज विस्फोटों की आवाज सुनी और एक विमान को पानी में गिरते देखा। उन्होंने बताया कि विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के पीछे के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। घटना की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया गया है।

द. कोरिया के राष्ट्रपति 8 को भारत आएंगे

■ नई दिल्ली

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जेइन अगले सप्ताह आठ जुलाई को भारत दौरे पर आ रहे हैं। यहां वह भारतीय शीर्ष नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर साझा हितों से जुड़े विषयों पर चर्चा करेंगे। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, 'मून आठ जुलाई से 11 जुलाई तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे।' अपनी यात्रा के दौरान मून भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक करेंगे। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों समेत साझा हितों से जुड़े विषयों पर व्यापक चर्चा होगी । इसमें दोनों देशों के विशेष सामरिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर जोर दिया जाएगा। दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग पर चर्चा होने की उम्मीद जताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि मून की यह पहली भारत यात्रा होगी। दक्षिण कोरिया ने वर्ष 1973 में भारत के साथ औपचारिक संबंध स्थापित किए थे।

बांग्लादेश : जिया को राहत के आसार नहीं

■ ढाका

बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने जेल में बंद देश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को झटका देते हुए वर्ष 2015 के हत्या के एक मामले में हाईकोर्ट द्वारा उन्हें दी गई जमानत पर रोक के अपने आदेश को बरकरार रखा है।

बीडीन्यूज 24 की खबर के मुताबिक जिया को अन्य मामलों में जमानत मिल भी जाए तो भी इस फैसले का मतलब है कि उन्हें कम से कम और एक महीना जेल में रहना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने जमानत पर लगी रोक नहीं बढ़ाई

एक माह और रह सकती हैं जेल में

जिया तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकी हैं और विपक्ष की नेता हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की अध्यक्ष जिया को फरवरी माह में पांच साल जेल की सजा सुनाई गई थी। यह मामला जिया अनाथालय न्यास के लिए आए करीब 2,50,000 डॉलर के दान में गबन का था। चीफ जस्टिस सैयद महमूद हुसैन की अध्यक्षता वाली चार सदस्यीय पीठ ने कुमिला हत्या मामले में जिया को जमानत देने के हाइकोर्ट के आदेश पर रोक के फैसले को बरकरार रखा। शीर्ष अदालत ने हाइकोर्ट से कहा है कि चार हफ्ते के भीतर इस मामले में वह जमानत पर सुनवाई करे और निपटारा करे। बीपीएन - जमात गठबंधन के प्रदर्शन में बम हमले के दौरान आठ लोग मारे गए थे। इसे लेकर दो अलग - अलग मामले दर्ज किए गए थे जिनमें से एक हत्या का था।

मंगोलिया में भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व करेंगे रिजीजू

■ नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू नीत भारतीय शिष्टमंडल मंगोलिया में तीन जुलाई से आपदा जोखिम कम करने के विषय पर होने वाले एशियाई मंत्रियों के सम्मेलन (एएमसीडीआरआर 2018) में हिस्सा लेगा। आधिकारिक बयान में सोमवार को बताया गया कि उलानबटोर में होने वाली चार दिवसीय बैठक में एशियाई और प्रशांत देशों, संयुक्त राष्ट्र और अन्य हितधारकों, सरकारी एवं अंतर सरकारी संस्थानों से करीब 3,000 प्रतिनिधि और प्रतिभागी भाग लेंगे। बयान में बताया गया कि केंद्रीय गृह राज्यमंत्री रिजीजू चार जुलाई को देश का वक्तव्य प्रस्तुत करेंगे और आपदा जोखिम में कमी लाने के संबंध में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करेंगे। प्रधानमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव पी के मिश्रा पांच जुलाई को आपदा के मद्देनजर अवसंचरना को मजबूत बनाने और शहरों के लचीलेपन पर एक सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे।

रोहिंग्या शरणार्थियों ने सुनाई अत्याचार की दास्तां

■ कुतुपालोंग

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने कहा है कि उन्होंने बांग्लादेश में विशाल शिविरों का दौरा करने के दौरान अत्याचारों की अकल्पनीय दास्तां सुनी। इन शिविरों में म्यांमार में हिंसा के बाद भागे रोहिंग्या शरणार्थी रह रहे हैं।

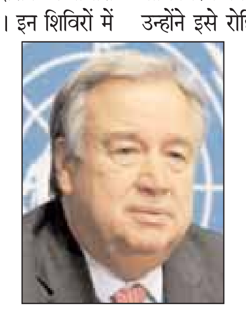

गुतारेस ने अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय के लिये हालात को मानवीय और मानवाधिकारों के लिये दु:स्वप्न करार दिया। उन्होंने शरणार्थी शिविरों का दौरा करने के दौरान यह बात कही। इन शिविरों में पिछले साल म्यांमार में सेना की कार्रवाई के दौरान देश छोड़कर भागे रोहिंग्या शरणार्थी रह रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने उसकी तुलना जातीय नरसंहार से की थी। गुतारेस ने ट्विटर पर लिखा, कॉक्स बाजार, बांग्लादेश में मैंने रोहिंग्या शरणार्थियों की हत्या और बलात्कार की अकल्पनीय दास्तां सुनी, जो हाल में म्यांमार से भागे थे। वे न्याय पाने के साथ ही सुरक्षित रूप से अपने घर लौटना चाहते हैं। गुतारेस के साथ विश्व बैंक प्रमुख जिम योंग किम भी थे। उन्होंने इसे रोहिंग्या शरणार्थियों और उनका समर्थन कर रहे समुदायों के प्रति एकजुटता का मिशन बताया। बांग्लादेशी जनता की करुणा और उदारता मानवता के सर्वश्रेष्ठ को दर्शाती है और इसने कई हजार लोगों की जान बचाई। हिंसा से बचने के लिये पिछले साल अगस्त में सीमा पार करके करीब सात लाख रोहिंग्या बांग्लादेश आ गए थे। म्यांमार में बहुत सारे लोग उनसे घृणा करते हैं और उनकी नागरिकता छीन ली गई है और उन्हें अवैध प्रवासी करार दिया गया, जबकि उनका कहना है कि राखाइन उनकी जन्म भूमि है।

मूशलाधार 5 इंच बारिश, खाडियां पहुंची भयजनक स्तर पर

सूरत, 3 जुलाई। फिलहाल बारिशी सिस्टम सक्रिय होने से तडके सवेरे से तीव्र बारिश हो रही है। 6 घंटे के भीतर 5 इंच बारिश के चलते नीचले में पानी जमा हो गया और सडक पर जगह-जगह जल जमाव होने के कारण वाहन चालको को भारी परेशानी हुई। जबकि सूरत से पसार होनेवाली खाडियां भयजनक स्तर पर पहुंच गई है। बारिशी सिस्टम सक्रिय होने से गत रोज देर रात छिटपुट बारिश के बाद आज सुबह से मूशलाधार बारिश होने लगी। बारिश के साथ वातावरण में ठंडक फैल गई है। सूरत शहर में 6 घंटे के भीतर 5 इंच बारिश होने से नीतले क्षेत्रों में जल जमाव हो गया है। जबकि सडक पर जगह-जगह पानी का जमाव होने से विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोग जगह-जगह फस गये थे। वराछा में बरोडा प्रिस्टेज की दकानों में पानी घुस जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पडा। इसके साथ ही सूरत जिला में सबसे अधिक ओलपाड में 21 मिली मीटर और सबसे कम कामरेज में 2 मिली मीटर बारिश हुई। जिसके सामने शहर में सबसे अधिक सेन्ट्रल जोन और रांदेर जोन में बारिश हुई। जबकि सबसे कम कतारगाम में बारिश दर्ज की गई। इसके साथ ही उकाई डेम का स्तर 285.13 फुट पर स्थिर है। इनफ्लो बंद था, लेकिन आउटफ्लो 600 क्युसेक यथावत रहा। शहर में हुई तेज बारिश के कारण खाडियां भयजनक स्तर से बह रही हैं। शहर में से पसार होने वाली पांच खाडियों का स्तर क्रमश: बढ गया। कारका और भेदवाड खाडियां भयजनक स्तर पर पहुंच गई है। जिससे लोगों को खाडी बाढ की चिंता सता रही है। कारण इसके पहले के वर्षो में लोगों ने खाडी बाढ का अनुभव किया है।

अहमदाबाद सहित राज्य में झमाझम बारिश

अहमदाबाद । बरसाती सिस्टम सक्रिय होने से पूरे गुजरात में बरसाती माहौल बन गया है। बीती रात से सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में झमाझम बारिश हो रही है। गुजरात में सबसे अधिक बारिश सूरत में हुई, जहां 6 घंटे में 5 ईंच बारिश ने शहर को पानी पानी कर दिया। इसके अलावा अहमदाबाद, मोरबी, राजकोट, भरुच, वलसाड, नवसारी, अमरेली, पोरबंदर, गिर सोमनाथ, देवभूमि द्वारका तेज बारिश हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के 29 जिलों की 108 तहसीलों में बारिश हुई है। दूसरी मौसम विभाग ने चार दिनों तक भारी बारिश की संभावना व्यक्त की है।

अहमदाबाद में छुटपुट बारिश के बाद आज शहर में तेज बारिश हुई। अहमदाबाद के कालूपुर, एलिसब्रिज, हाटकेश्वर, जमालपुर, आश्रम रोड इत्यादि में मूशलाधार बारिश होने से जगह जगह जलजमाव हो गया। पानी भर जाने से जगह जगह यातायात ठप हो गया। पूर्वी अहमदाबाद के वस्त्राल में दोपहर के बाद धुंआधार बारिश होने से जलजमाव हो गया। जलजमाव होने से लोगों खासकर वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ गई। अहमदाबाद जिले के विरमगाम और मांडल तहसीलों में मूशलाधार बारिश हुई। दिनभर उमस और गर्मी के बाद शाम को अचानक मूशलाधार बारिश शुरू हो गई। उधर दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में जारी छुटपुट बारिश का दौर आज दिनभर यथावत रहा। अगले 48 घंटों के दौरान छुटपुट बारिश होने की मौसम विभाग ने संभावना जताई है। लंबी प्रतीक्षा के बाद सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में मौसम की अच्छी बारिश हो रही है। सबसे ज्यादा बारिश सूरत में 5 ईंच के अलावा सूरत के चौर्यासी में 4 ईंच और कामरेज में 3 ईंच बारिश दर्ज हुई। इसके अलावा सूत्रापाडा में 2.5 ईंच, तालाला और गिरगढ़डा में 3 ईंच, नवसारी में 4 ईंच, जलालपुर में 4 ईंच, गणदेवी में 1.5 ईंच, चीखली में 3.5 ईंच बारिश होने की खबर है। सूरत से गुजरती पांच खाडियों का जलस्तर बढ़ने से सूरतवासियों में बाढ़ की दहशत है। खाडियों के खतरनाक जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। सूरत में केवल छह घंटे में पांच ईंच बारिश होने से सूरत समेत आसपास के इलाके जलमग्न हो गए हैं। निचले इलाकों की सोसायटी, दुकानें और कॉम्प्लेक्स में पानी भर गया है। लोगों के वाहन आधे तक पानी में डूब गए। भारी बारिश के चलते सूरत का यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। शहर के कई इलाकों में भारी बारिश और जलजमाव के कारण यातायात ठप हो गया। कई क्षेत्रों में घुटनों तक पानी भर जाने से वाहनों की आवाजाही ठप हो गई। सूरत को ओलपाड, कामरेज, कतारगाम और रांदेर इत्यादि इलाकों में आज मूशलाधार बारिश हुई। दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में फिर एक बार मूशलाधार बारिश हुई। वलसाड समेत वापी और पारडी में तेज बारिश होने से कई इलाकों में जलजमाव हो गया। मूशलाधार बारिश होने से किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई है और किसानों ने खरीफ फसलों की बुवाई कार्य तेज कर दिया है। वलसाड के वापी में 4 ईंच, उमरगाम में 3 ईंच, धरमपुर और पारडी में 2-2 ईंच और वलसाड शहर में एक ईंच बारिश हुई। नवसारी जिला और शहर में भी आज धूमधड़ाके के साथ बारिश की एन्ट्री हुई। मूशलाधार बारिश होने से शहर का वातावरण ठंडा हो गया और किसान भी खुशी से झूम उठे। नवसारी शहर में 52 मिमी बारिश हुई है। जबकि जिले के जलालपुर 59 मिमी, गमदेवी 59 मिमी, चीखली में 32 मिमी, वांसदा में 20 मिमी और खेरगाम में 15 मिमी बारिश दर्ज हुई। नवसारी समेत आसपास के इलाकों में कृषि उपयोगी बारिश होने से किसानों ने बुवाई कार्य तेज कर दिया है। भरुच के अंक्लेश्वर में भी मूशलाधार बारिश हो रही है। तेज बारिश के चलते जगह जगह जलभराव हो गया है। सड़कें नदियों में तब्दील हो गई हैं। सौराष्ट्र के गिर सोमनाथ में भी मानसून की बारिश ने दस्तक दे दी है। सोमवार की रात से गिर सोमनाथ में छुटपुट बारिश जारी है। गिर सोमनाथ के वेरावल समेत आसपास के इलाकों में सामान्य से लेकर भारी बारिश हो रही है। वेरावल में पिछले 24 घंटों के दौरान 5 ईंच बारिश होने की खबर है। भारी बारिश के चलते वेरावल के गांधी चौक, सट्टा बाजार और सुभाष रोड क्षेत्र में घुटनों तक पानी भर गया। पिछले कई दिनों से उमस और गर्मी से परेशान लोगों को भारी बारिश होने से काफी राहत मिली है।

अहमदाबाद । कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए कुंवरजी बावलिया और बीजेपी पदाधिकारी विजय चिन्ह दिखाते हुए।

अब कुंवर बावलिया ने बीजेपी में हुए शामिल

अहमदाबाद । पार्टी से चल रही लगातार नाराजगी के चलते गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पांच बार विधायक रहे कुंवर बावलिया ने पार्टी और जसदण सीट से इस्तीफा दे दिया है। बावलिया ने विधानसभा स्पीकर राजेंद्र त्रिवेदी को अपना इस्तीफा सौंप दिया जिसे स्वीकार कर लिया गया है। वह अब बीजेपी में शामि हो गए है। इसी के साथ वह मंगलवार को मंत्री पद की शपथ ली। कांग्रेस के लिए यह एक बड़ा झटका माना जा रहा है। बावलिया ने कुछ दिन पहले ही दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की थी लेकिन उसके बाद भी उनकी नाराजगी जारी रही। गुजरात के उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा कि बावलिया कांग्रेस से खुश नहीं थे और अब वह बीजेपी में शामिल हो गए हैं। नितिन पटेल ने दावा किया कि बावलिया ने राहुल गांधी को भी अपना इस्तीफा भेज दिया है। उन्होंने कहा कि उनके समर्थक भी उनके साथ बीजेपी जॉइन करेंगे। इसी के साथ बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू वघानी ने कहा कि बावलिया मंगलवार को ४ बजे मंत्री पद की शपथ ली। बता दें कि बावलिया अपने से जूनियर परेश धनानी को विपक्ष का नेता बनाए जाने से नाराज चल रहे थे। बावलिया पहले भी प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व से अपनी अप्रसन्नता को खुले तौर पर जाहिर कर चुके है और कहा था कि यह अपनी अनदेखी महसूस करते हैं। गुजरात में आंकड़ो के लिहाज से महत्वपूर्ण कोली समुदाय के बड़े तबके का समर्थन रखने वाले बवालिया ने १९९५ से २००७ तक कांग्रेस की टिकट पर जसदण से चुनाव जीता था। वह २००९ में राजकोट से सांसद निर्वाचित हुए। २०१७ में वह एक बार फिर राजकोट जिले की जसदण विधानसभा सीट से विधायक चुने गए थे। कोली समुदाय को सौराष्ट्र में बड़ा वोट बैंक माना जाता है।

मांग पूरी होने पर पीड़िता के पिता ने अर्जी वापस ली

अहमदाबाद । शहर के घोडासर क्षेत्र में रहती युवती का नेहरूनगर सर्कल से झांसी की रानी के पूतला के सर्विस रोड पर स्कोर्पियो कार में आये शख्सों ने अपहरण करके इसके साथ चालु कार में ही बारबार बलात्कार करने के केस में शिकार होनेवाली पीड़िता के पिता की तरफ से पूरे केस की जांच सीबीआई को सौंपने के लिए अर्जी की मांग करती गुजरात हाईकोर्ट के समक्ष की गई अर्जी मंगलवार को वापस ले ली गई। पीड़िता के मेजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराने की तथा क्राइमब्रांच के उच्च पुलिस अधिकारी जेके. भट्ट की जांच के विरूद्ध आपत्ति दर्ज कराने के बाद उनको इस केस में से हटा लिया गया जिसकी वजह से अधिकतर मांग पूरी होने जाने पर पीड़िता के पिता ने अपनी अर्जी वापस ले ली। हालांकि हाईकोर्ट ने इस केस के मामले में पुलिस की जांच का कामकाज के विरूद्ध कोई आपत्ति उठायी जाए तो नयेसिरे से अर्जी करने की मंजूरी पीड़िता के पिता को दी थी और इस केस का निराकरण लाया गया। पीड़िता के पिता द्वारा की गई अर्जी में फिलहाल की जांच एजेन्सी अहमदाबाद शहर क्राइमब्रांच के विरूद्ध गंभीर आरोप लगाये गये थे। विशेष करके उच्च पुलिस अधिकारी जेके. भट्ट के पीड़िता के साथ खराब व्यवहार को लेकर हाईकोर्ट में शिकायत की गई थी। मंगलवार को यह केस की सुनवाई दोपहर में २.३० बजे हाईकोर्ट में निकली तब कोर्ट को इस मामले में बताया गया था कि, अर्जकर्ता पक्ष की मांग के अनुसार, पीड़िता का मंगलवार को मेट्रोपोलिटन कोर्ट में मेजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराने की कार्रवाई की जायेगी।

वृषभ नाटकीय ढंग से पुलिस के समक्ष उपस्थित

सेटेलाइट केस में आरोपी वृषभ क्राइमब्रांच में उपस्थित

अहमदाबाद । शहर सहित राज्यभर में भारी सनसनी मचाने वाले सेटेलाइट गैंगरेप केस में मुख्य आरोपी माना जा रहा वृषभ मारू मंगलवार को नाटकीय ढंग से अचानक ही शहर क्राइमब्रांच के समक्ष उपस्थित होने पर भारी सनसनी मच गई थी। गत दिन ही वृषभ के परिवारजनों ने मीडिया के समक्ष आकर इसका बचाव किया था और इसके साथ-साथ इसे पुलिस के समक्ष उपस्थित हो जाने की सलाह दी गई थी। इसके बाद कुछ ही घंटों में वृषभ मारू क्राइमब्रांच के समक्ष उपस्थित हो जाने पर केस में महत्व का डेवलपमेन्ट सामने आया। पुलिस ने वृषभ से पूछताछ शूरू कर दी है और पीड़िता की शिकायत तथा इस केस में अन्य आरोपियों यामिनी, गौरव के बयानों में आये विरोधाभास (विरोधाभासी) की जांच करना शुरू कर दिया है। वृषभ ने अपने बचाव में कई सबूत भी पुलिस के समक्ष पेश किया ऐसा माना जा रहा है। सेटेलाइट गैंगरेप केस में से जेसीपी जेके. भट्ट को हटा दिया गया है इसे लेकर पुलिसबेडा में इस बारे में काफी चर्चा हो रही है। दूसरी तरफ, इस केस में अभी तक पुलिस ने इस केस में कोई भी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया है इसे लेकर भी कई कयास लगाये जा रहे हैं। यह सभी संजोगों के बीच इस केस में पिछले कई दिन से फरार चल रहे और मुख्य आरोपी वृषभ मारू भी क्राइमब्रांच के समक्ष नाटकीय ढंग से उपस्थित होने पर यह पुलिस का प्लान या इशारा ही उपस्थित होने का इस बारे में चर्चा की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि, सेटेलाइट गैंगरेप केस में गत दिन आरोपी वृषभ मारू का परिवार मीडिया के समक्ष उपस्थित हुआ। वृषभ के पिता अपना भाई और इसके दो चाची ने इस केस में कई खुलासे किए। मीडिया के सामने वृषभ के पिता ने दावा किया था कि इस केस में वृषभ को गलत तरीके से फंसाया गया है। वृषभ यह लड़की को नहीं जानता है। इन्टाग्राम का जो मैसेज आया है यह फर्जी अकाउन्ट से किया गया है तथा बलात्कार की शिकायत हुई तब वृषभ मध्यप्रदेश में था।

रिक्शाचालक ने टोइग स्टेशन में जाकर की पुलिसकर्मि से मारपीट

अहमदाबाद । शहर में ट्राफिक पुलिस और वाहनचालकों के बीच मारपीट होने की कई घटनाएं सामने आ रही है तब गत दिन और एक घटना दाणीलीमडा में हुआ है। जिसमें लाइसेंस के बिना रिक्शा चलाते रिक्शाचालक की रिक्शा डिटेइन किए जाने पर नाराज रिक्शाचालक ने टोइंग स्टेशन पहुंचकर भारी हंगामा किया और हेड कॉन्स्टेबल के साथ मारपीट की। इस घटना के मामले में हेड कॉन्स्टेबल ने आरोपी रिक्शाचालक के विरूद्ध दाणीलीमडा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने पर पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है। शहर के 'के' ट्राफिक पुलिस स्टेशन में हेड कॉन्स्टेबल के तौर पर डयुटी कर रहे विक्रमसिंह डाह्याभाई ने दाणीलीमडा पुलिस स्टेशन में कालुभाई फारूखभाई शेख नाम के रिक्शाचालक के विरूद्ध शिकायत दर्ज करायी गई है। शिकायत में लगाये गये आरोप के अनुसार गत दिन हेड कॉन्स्टेबल विक्रमसिंह, पुलिस कॉन्स्टेबल जोरावरसिंह सहित के पुलिस कर्मचारी आम रोड पर मोटर व्हीहिकल एक्ट का भंग करनेवाले वाहनचालकों को मेमो देकर कानूनी कार्रवाई करते थे। तब जुहापुरा क्षेत्र में स्थित गुलमहोर सोसाइटी में रहते ६० वर्षीय कालुभाई फारूखभाई शेख अपनी रिक्शा में ज्यादा पैसेन्जर लेकर दाणीलीमडा से जा रहे थे। रिक्शा में ज्यादा पैसेन्जर देखकर विक्रमसिंह ने कालुभाई को रोका था। कालुभाई लाइसेंस बिना रिक्शा चला रहे होने से पुलिस ने उनकी रिक्शा डिटेइन की थी और टोइंग स्टेशन में रखने के लिए गये थे। इस दौरान कालुभाई शेख टोइंग स्टेशन पहुंच गये थे और सभी पुलिस कर्मचारियों के विरूद्ध बदमाशी करके आप मेरी रिक्शा क्यों डिटेइन की है यह कहकर विक्रमसिंह का गला पकड़कर मारामारी करने लगे।

यह घटना देखकर टोइंग स्टेशन में रहे सभी पुलिस कर्मचारी वहां पहुंच गये और कालुभाई को पकड़ लिया था। सरकारी काम मेंम रूकावट डालकर पुलिस कर्मचारी के साथ मारपीट करने के केस में दाणीलीमडा पुलिस ने कालुभाई के विरूद्ध में अपराध दर्ज करके उनको गिरफ्तार किया गया था।

महादेव मीडिया

रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com